Television in certain Districts of Orissa

1658. SHRI CHINTAMANI JENA : Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state :

When the Television system will be operating in Cuttack, Puri, Balasore, Maywebhanj, Ganjam and Fulbari Districts of Orissa ?

THE MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING AND SUPPLY AND REHABILITATION (SHRI VASANT SATHE) : In the current Plan, so far as Orissa is concerned, only one scheme for setting up a T.V. transmitter at Cuttack, where production facilities already exist, has been approved. The work is expected to be taken up soon. The suggestion for setting up T.V. stations at other places in Orissa will be kept in view while formulating the next plan proposals.

राजस्थान के सीमावर्ती जिलों में प्रसारणों का सुना जाना

1659. **श्री विरधी चन्द्र जैन:** क्या **सूचना और प्रसारण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि आकाशवाणी के जोधपुर और दिल्ली केन्द्रों द्वारा किये जाने वाले प्रसारण राजस्थान के सीमावर्ती जियो–बाड़मेर और जैसलमेर में ठीक ढंग से सुनाई नहीं देते हैं जिसके परिणामस्वरूप सीमावर्ती क्षेत्र के लोगों को आकाशवाणी का पूरा लाभ नही मिल पाता है ;

(ख) क्या यह सच है कि बाड़मेर जिले के मुख्यालय बाड़मेर में शक्तिशाली रेडियो स्टेशन खोलने का प्रस्ताव काफी समय से सरकार के विचाराधीन है ; और

(ग) सीमावर्ती क्षेत्रों के लोगों की उचित मांग को पूरा करने के लिए विभाग शक्तिशाली रेडियो स्टेशन कब तक खोलेगा ?

सूचना और प्रसारण तथा पूर्ति और पुनर्वास मंत्री (श्री वसन्त साठे): (क) बाड़मेर और जैसलमेर जिलों के पश्चिमी भाग दिन के समय की प्राथमिक सेवाए आकाशवाणी, जोधपुर और दिल्ली से प्राप्त नहीं करते । फिर भी, राजकोट में परिचालित 1000 कि. वा. मीडियम वेव ट्रांसमीटर, जो विदेश सेवाओं के लिए है, राजस्थान के सीमावर्ती क्षेत्रों में दिन में अच्छी सेवाएं और रात्रि के समय श्रेष्ठ सेवाएं प्रदान भी करता है । जोधपुर में 100 कि. वा. मीडियम वेव ट्रांसमीटर इन क्षेत्रों मे संतोषजनक रात्रि सेवा प्रदान करता है ।

(ख) जी, नहीं । संसाधनों की कमी के कारण सरकार के पास फिलहाल बाड़मेर में एक रेडियो केन्द्र स्थापित करने का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है ।

(ग) प्रश्न नहीं उठता ।

राजस्थान में बिजली की कटौती का कृषि तथा उद्योग, परिवहन तथा जल आपूर्ति पर प्रभाव

1660. **श्री विरधी चन्द्र जैन:** क्या **ऊर्जा और सिंचाई तथा कोयला** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि राजस्थान में फरवरी, 1980 से अब तक बिजली की सप्लाई में कटौती के कारण राज्य में और विशेषरूप से बाड़मेर, जैसलमेर, जोधपुर के राजस्थानी क्षेत्रों में कृषि, उद्योग, परिवहन तथा जल आपूर्ति पर बहुत अधिक कुप्रभाव पड़ा है और उसके कारण औद्योगिक प्रतिष्ठान लगभग बन्द करने पड़े, औद्योगिक उत्पादन को धक्का लगा तथा गम्भीर जल समस्या पैदा हुई तथा शहरी एवं ग्रामीण लोगों में बहुत अधिक असंतोष उत्पन्न हुआ ; और

(ख) क्या राजस्थान को कोई सहायता अथवा सहयोग दिया गया है और यदि हां, तो इस बारे में ब्यौरा क्या है ?

ऊर्जा और सिंचाई तथा कोयला मंत्री (श्री ए. बी. ए. गनी खान चौधरी) : (क) राजस्थान मे 29 जनवरी, 1980 से भिन्न-भिन्न वर्गों के उपभोक्ताओं पर भिन्न-भिन्न मात्रा की विद्युत कटौतियां और प्रतिबंध लागू हैं । इस समय 25 अश्व शक्ति तक के भार कनेक्शन वाले लघु उद्योगों पर 50 % विद्युत कटौती लागू है, 125 के.